भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2868 का उत्तर

दिल्ली-वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल गलियारा

2868. सुश्री सयानी घोष:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने दिल्ली-वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल गलियारा को मंजूरी दी है और यदि हां, तो सर्वेक्षण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और अन्य वैधानिक स्वीकृतियों सहित परियोजना की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) परियोजना की अनुमानित लागत, प्रस्तावित फंडिंग पैटर्न/गलियारा के प्रारंभ होने और पूरा होने की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रस्तावित मार्ग, स्टेशनों और परियोजना के तहत शामिल किए जाने वाले संभावित राज्यों का ब्यौरा क्या है तथा क्या असम सहित उत्तर-पूर्वी राज्यों में गलियारे का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने विशेषकर बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए परियोजना से मिलने वाले आर्थिक, पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी लाभों का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या परियोजना के लिए कोई भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण प्रभाव आकलन या व्यवहार्यता अध्ययन पूरा हो चुका है और यदि हां, तो उसकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) निष्पादनाधीन है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजर रही है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशन बनाने की योजना है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 उपयोगिताएँ स्थानांतरित कर दी गई हैं। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण परियोजना 2021 तक प्रभावित हुई। वर्ष 2022 में महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

मद	प्रगति
पाया	452 कि.मी.
गर्डर	356 कि.मी.
ट्रैक बैड	209 कि.मी.
ओएचई मास्ट	190 कि.मी.

स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव और संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	अहमदाबाद	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग और रेलपथ का कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव और संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	भरूच	संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है। सूरत, बिलिमोरा और भरूच पर भी रेलपथ का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	सूरत	
7	बिलिमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह अंतिम चरण में है। संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिया गया है।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव का कार्य लगभग पूरा हो गया है और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पुलों पर कार्य की प्रगति इस प्रकार है:-

क्र.सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	सब-स्ट्रक्चर का कार्य पूरा कर लिया गया है, सुपरस्ट्रक्चर का कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। मोहर नदी

3	वात्रक नदी (280 मीटर)	पर रेलपथ का कार्य पूरा कर लिया गया है और ओएचई कार्य शुरू कर दिया गया है। वात्रक नदी पर रेलपथ का कार्य प्रगति पर है।
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है। पाया कार्य और गर्डर लांचिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7	ढाढर नदी (120 मीटर)	
8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं का कार्य पूरा कर लिया गया है; 24 में से 6 स्पैन लॉन्च कर दिए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	13 में से 09 पीयर कैप का कार्य पूरा कर लिया गया है।
11	मिंधोला नदी (240 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। रेलपथ और विद्युतीकरण का कार्य शुरू किया गया है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगानिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	दारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	सब-स्ट्रक्चर का कार्य पूरा कर लिया गया है।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	17 पाइल कैप और 15 पियर (58 में से) पूरे कर लिए गए हैं।
24	उल्हास नदी ब्रांच (120 मीटर)	नींव का कार्य शुरू करने के लिए अस्थाई पहुंच पुल का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच पूरी कर ली गई है और डिज़ाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्री सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

सूरत-वापी खंड (97 कि.मी.) पर नदी पुल निर्माण सहित सभी सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं और 86% ट्रैक बेड बिछा दिया गया है।

राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने, क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और सड़क और हवाई परिवहन से रेल में मोडाल शिफ्ट को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) गलियारों के विकास की घोषणा की है:-

(i) मुंबई-पुणे
(ii) पुणे-हैदराबाद
(ii) हैदराबाद-बेंगलुरु
(iv) हैदराबाद-चेन्नै
(v) चेन्नै-बेंगलुरु
(vi) दिल्ली-वाराणसी
(vii) वाराणसी-सिलीगुड़ी

बजट घोषणा के पश्चात, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में लागत अद्यतन, संरेखण को अंतिम रूप देने और भूमि सर्वेक्षण आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है। शामिल किए गए स्टेशनों/शहरों, निवेश, मार्ग की लंबाई, आदि का ब्यौरा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही निश्चित किया जा सकता है। उच्च गति रेल परियोजनाएं बेहतर संपर्कता के माध्यम से अर्थव्यवस्था और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देती हैं, जिससे जुड़े हुए शहरों और राज्यों को लाभ होता है।

बहरहाल, अत्यधिक पूंजी साध्य होने के कारण, किसी भी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर/परियोजना को स्वीकृति देने का निर्णय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का परिणाम, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन और संसाधनों की उपलब्धता जैसे वित्तपोषण विकल्प आदि कई कारकों पर निर्भर करता है।

****